



ગુહલી સંગ્રહ

૬૯૯

## ગુહલીસંગ્રહ.

નાગ પેહેલો

સમસ્ત જૈનધર્માવલંબી નાશ્ચોને ૩  
પત્નોગી કેટલીક ચાલુ ગુહલી  
ઓને એકઠી કરી તેને સારી  
રીતે શુદ્ધ કરીને

મુંબઈ

ગ્રંથસાગર પ્રેસમાં ઢાપી.

સન ૧૮૭૩:

સંવત્ ૧૯૨૯.

૬૬૯

**ગૂજરાત વિદ્યાપીઠ ગ્રંથાલય**

(ગુજરાત કોપીરાઈટ વિભાગ)

અનુક્રમાંક ૬૬૯ કિંમત

ગ્રંથનામ મૂલનીસંમ્પદ

વર્ગાંક

ગુજરાત વિદ્યાપીઠ ગ્રંથાલય  
અમદાવાદ  
ગુજરાતી કૉપીરાઈટ-સંગ્રહ  
૬૯૪

## ॥ अथश्रीमाहावीरस्वामीना पांचवधावालिरख्यते ॥

हूंतोमोहीरेनंदनालाल ॥ मोरलीतानेंरे ॥ एदे  
शी ॥ वंदीजगजननीब्रह्मांणी ॥ देताअविच  
लवांणीरे ॥ कळ्याणकप्रनुनांगुणखांणी ॥ थुं  
णसुंउलटआंणी ॥ १ ॥ एहनेसेवोनें ॥ प्रनुसा  
सननोसुलतान ॥ एहनेसेवोनें ॥ जसइंक्करे  
बहुमान ॥ एहनेसेवोने ॥ एतोभवोदधितरण  
सुखांन ॥ एहनेसेवोने ॥ २ ॥ कीधोत्रीजे  
भववरथांनक ॥ अरिहागोत्रनिकांच्युरे ॥ ते  
अनुसरवीवरवाकेवल ॥ करवातीरथजाचुं ॥  
एह ० ॥ ३ ॥ कळ्याणकपेहेलोजगवल्लन ॥  
त्रणझांनीमाहारात्यरे ॥ दशमांस्वर्गविमानथी  
प्रनुजी ॥ भोगवीसुरनोआय ॥ एहने ० ॥

॥ ४ ॥ जंबुदीपैभरतक्षेत्रमां ॥ कृत्रीकुंभसु  
 खकाररे ॥ श्रीसिद्धार्थत्रिशलावदरे ॥ लवे  
 प्रनुच्यवतार ॥ एहने० ॥ ५ ॥ चउदसुपन  
 देखेतवत्रिसला ॥ गजवृषभादिउदाररे ॥ हर  
 षीजागीचींतेमनमां ॥ मानेधनच्यवतार ॥ ए  
 हने० ॥ ६ ॥ बहुउबरंगेंजइपीउसंगें ॥ सघ  
 लीवातसुंणावेरे ॥ सुभगेलाभपुत्रनोहोसे ॥ पी  
 उनांवचनवधावे ॥ एहने० ॥ ७ ॥ सुपनाफ  
 लपूढीपाठकनें ॥ गर्भवहेनृपरांणीरे ॥ दीपक  
 हेइमप्रथमवधावो ॥ गावेसुरइंजाणी ॥ एहने०  
 ॥ ८ ॥ ढाल १ जी ॥ श्रावणवरसेरेसजनी ॥  
 एदेशी ॥ बीजेवधावेरेसजनी ॥ चैतरसुदतेर  
 सनीरजनी ॥ जनम्याजिनवरजगउपगारी ॥  
 हुंजाउंतेहनीबलिहारी ॥ बीजेवधावेरेसजनी  
 ॥ ९ ॥ उप्पनदिशिकुमरीतिहांआवे ॥ पूजी

सुचिजलसुंनवरावे ॥ जीवोमहीधरलगेंजिन  
 राया ॥ अविचलरहेजोत्रिसलानाजाया ॥  
 बीजे ० ॥ १ ॥ गिरुआप्रनुनुंवदननिहाली ॥  
 चालीचोपेचतुराबाली ॥ हरण्योसुरपतिसोह  
 मस्त्रांमी ॥ जाणेजनम्याजगविसरांमी ॥ बी०  
 ॥ ३ ॥ घोषाघंटातववजमावे ॥ ततक्षणदे  
 वसहुतिहांआवे ॥ प्रनुग्रहीकंचनगिरिपरठावे  
 ॥ स्नानकरीजिननेनवरावे ॥ बी० ॥ ४ ॥  
 एककोमवलीऊपरजांणु ॥ साठलाखसंख्या  
 परमांणु ॥ सहुकलसासुचिजलसुंनरिआ ॥  
 ततक्षणसोहमसंसत्यधरिआ ॥ बी० ॥ ५ ॥  
 चिंतेलघुवयवेप्रनुवीर ॥ किमसहसेजलधा  
 रावीर ॥ वीरेंतसमनसंसयजांणी ॥ करवा  
 चित्रितअतिशयनाणी ॥ बी० ॥ ६ ॥ महीध  
 रनिजअंगुठेचंप्यो ॥ ततक्षणमेरुथरहरकंप्यो

॥ मांनुनृत्यकरेबेरसिउ ॥ प्रनुपदफरसेथईउ  
 ल्लसिउ ॥ बी० ॥ ७ ॥ जाएयोइंढेंसहुविरतं  
 त ॥ बोलेकरजोमीनगवंत ॥ गुनहोसेवकनो  
 एसहेजो ॥ मिथ्याउकृतएहनोहोजो ॥ बी०  
 ॥ ८ ॥ स्नात्रकरीमातानेसमर्पे ॥ ठवीपोहोतानं  
 दीत्वरदीपे ॥ पूरणलाहोरेलेवा ॥ अवाइमहो  
 त्सवतिहांकरेवा ॥ बी० ॥ ९ ॥ पुत्रवधाईनि  
 सुंणीराजा ॥ पंचशब्दवजमावेवाजा ॥ निज  
 परिकरसंतोषीवारु ॥ वर्द्धमाननांमठवेउदारु  
 बी० ॥ १० ॥ अनुक्रमेंजोवनवद्यजवथावे ॥  
 नृपतिराजपुत्रीपरणावे ॥ भोगवीप्रनुसंसारीक  
 भोग ॥ दीपकहेमनप्रगट्योजोग ॥ बी० ॥  
 ॥ ११ ॥ ढाल ३ जी ॥ नवितुंमेवंदोरेसूरी  
 श्वरगबराद्या ॥ एदेशी ॥ हवेकल्याणकत्री  
 जुंबोलुं ॥ जगगुरुदीक्षाकेरुं ॥ हरषितचित्तें



भावेंगावे ॥ तेहनुं नाग्यनलेरुं ॥ सहीतुंमेंसेवो  
 रेकल्याणकउपगारी ॥ संयममेवोरेआतमनें  
 हितकारी ॥ १ ॥ लोकांतिकसुरअमृतवत्त  
 णें ॥ प्रभुनेंएमसुणावे ॥ बुळबुळजगनायकजा  
 त्यक ॥ इमकहीनेसमजावे ॥ स० ॥ २ ॥  
 एकक्रोमनेंआठलाखनुं ॥ दिनप्रतेंदीएदान ॥  
 इणिपरेसंवत्सरलमेलईने ॥ दीनवधारेवांन ॥  
 स० ॥ ३ ॥ नंदीवर्द्धननीअनुमतलेईने ॥ वी  
 रथयाउजमाल ॥ प्रभुदीक्षानोअवसरजांणी  
 आब्योहरीततकाल ॥ स० ॥ ४ ॥ थापी  
 दिसपूरवनेसाहामा ॥ दिक्षामोहोसवकीधो ॥  
 पालखीरंपधरावीप्रभुनें ॥ लाजअनंतोलीधो  
 स० ॥ ५ ॥ सुरगणनरगणनेंसमुदायें ॥ दि  
 क्षानेसंचरित्या ॥ माताधावकहेशिखामण ॥  
 सुणजिसल्लानानफित्या ॥ स० ॥ ६ ॥ मोह

मल्लनेऊरकरीने ॥ धरजोउज्ज्वलध्यांन ॥ के  
 वलकमलावहेलीवरजो ॥ देजोसुकृतदांन ॥  
 स० ॥ ७ ॥ इमशीखामणस्तवतांसुणतां ॥  
 थुणतेबहुंनरनारी ॥ पंचमुष्टीनोलोचकरीने ॥  
 आपथद्याव्रतधारी ॥ स० ॥ ८ ॥ धनधनश्री  
 सिद्धारथनंदन ॥ धनप्रिशलानाजाया ॥ ध  
 नधननंदीवर्धनबंधव ॥ इमबोलेसुरराया ॥  
 स० ॥ ९ ॥ अनुमतलेईनिजबंधवनी ॥ वि  
 चरेजगदाधार ॥ सुमतेंसुमतागुप्तेगुप्ता ॥ जी  
 वदयानानंमार ॥ स० ॥ १० ॥ सिंहसमो  
 वमदुर्धरघईने ॥ कठिनकर्मसहुटाले ॥ जग  
 जयवंतोशासवनायक ॥ इणिपरेंदिकाप्याले  
 स० ॥ ११ ॥ दिक्काकल्याणकएत्रीजुं ॥ स  
 हीतुंमेदिलमाळावो ॥ एमबधावोबीजोसुंदर ॥  
 दीपकहेसहुगावो ॥ स० ॥ १२ ॥ ढालधुथी

अविनासीनीसेजनीएं ॥ रंगलागोमोरीसजनी  
 जी ॥ एदेशी ॥ चोथुंकड्याणककेवलनु ॥  
 कहुंहुं अवसरपांमीजी ॥ जगउपगारीजगबंध  
 वने ॥ हुं प्रणमुं शिरनांमी ॥ सां नलसजनी ॥ १ ॥  
 वैशाखसुददसमीनेदिवसें ॥ पाम्यांकेवलझा  
 नजी ॥ बारजोदणएकरातेंचाड्या ॥ जांणी  
 लाजनिधान ॥ सां० ॥ २ ॥ अप्पापानदरी  
 एंआव्या ॥ महसेनवनविकसंताजी ॥ गणध  
 रनेंवलीतीरथथापन ॥ करवानेंगुणवंता ॥  
 सां० ॥ ३ ॥ नुवनपतिव्यंतरवैमानिक ॥ जोति  
 षीहरिसमुदायजी ॥ वीसबत्रीसदशदोदमली  
 नें ॥ एचोसठकहेवाय ॥ सां० ॥ ४ ॥ त्रि  
 गमानीरचनाकीधीसारी ॥ त्रिदशपतिअतिभा  
 रीजी ॥ मध्यपीठऊपरहितकारी ॥ बेठापरउ  
 पगारी ॥ सां० ॥ ५ ॥ गुणपांत्रीससहितप्रनु  
 वांणी ॥ निसुंणेबेसहुप्रांणीजी ॥ लोकालोक

प्रकासकनांणी ॥ वरसेवेगुंणखांणी ॥ सां०  
 ॥ ६ ॥ मालकौंससुनरागसमाजें ॥ जलध  
 रनीपरेंगाजेजी ॥ आतपत्रप्रभुशिरपरराजे ॥  
 नामंमलबबीबाजे ॥ सां० ॥ ७ ॥ नीकिर  
 चनात्रएयोगढनी ॥ प्रभुनाचारेरूपजी ॥ वली  
 केवलकमलानीसोभा ॥ निरखेसुरनरनूप ॥  
 सां० ॥ ८ ॥ इन्द्रभूतिआदेसहुमिलीनें ॥ जग  
 नकरेभूदेवजी ॥ विद्यावेदतणाअन्यासी ॥ अ  
 निमांनीअहमेव ॥ सां० ॥ ९ ॥ ग्यांनीआव्या  
 निसुंणीबंनण ॥ मनमेंगर्वधरंतजी ॥ आब्यो  
 त्रिगमेवादकरेवा ॥ दीठोजगजयवंत ॥ सां०  
 ॥ १० ॥ ततद्धणनांमादिकबोलावे ॥ सटय  
 सहुनेनांणीजी ॥ जीवादिकसंदेहनिवारी ॥  
 थाप्योगणधरनांणी ॥ सां० ॥ ११ ॥ त्रिपदिपांमी  
 प्रभुशिरनांमी ॥ द्वादशांगीसुविचारीजी ॥ पदब

लाखवत्रीससहेसनी॥रचनाकीधीसारी॥सां०  
 ॥ १२ ॥ चालोतोजोवानेजइयें ॥ वंदीजें  
 जगवीरजी ॥ वलीप्रणमीजेंसोहमपटधर ॥  
 गौतमस्वांमीवजीर ॥ सां०॥ १३ ॥ निरखीजे  
 प्रभुजीनीमुखा ॥ नरनवसफलोकीजेंजी ॥  
 प्रभुजीनोबहुमानकरीने ॥ लानअनंतोली  
 जें ॥सां०॥ १४ ॥ वारेवारेकहुंतोपण॥तुंतो  
 मनमानांणेजी ॥ माहरामनमाहुंसअबेते॥के  
 वलग्यानीजांणे ॥सां० ॥ १५ ॥ सखीवदणें  
 श्मथईउजमाली ॥ चालीसघलीबालीजी॥  
 निसुंणीदेशनाआसातनाटाली ॥ प्रभुवाणील  
 टकाली ॥सां० ॥ १६ ॥ इणिपरेंत्रीसवरसके  
 बलथी ॥बहुंनरनारीतारीजी ॥ इमवधावोचो  
 थोसुंदर॥ दीपकहेसुखकारी ॥सां० ॥ १७ ॥  
 ढाल ५ मी ॥ आदिजिनेसरवीनतीहमारी ॥

॥ एदेशी ॥ कल्याणकपांचमुंजिनजीनुं ॥ गा  
 वोहर्षअपारवाला ॥ जगवद्वनप्रनुनांगुणमाई  
 ॥ १ ॥ सफलकरोअवतारवाला ॥ शासन  
 नायकतीरथवंदो ॥ १ ॥ अछांकणी ॥ जग  
 चातुकनेदानदीयंता ॥ विचरंताजमभाणवा  
 ला ॥ मध्यमअप्पापानगरीपधारया ॥ अण  
 मेपदमहिराणवाला ॥ शा० ॥ २ ॥ प्रनुंला  
 नालानविचारी ॥ अणपुठयोउपदेशवाला ॥  
 सोलपोहोरलगेंअमृतध्वनीं ॥ वरस्यानवीठ  
 पदेसवाला ॥ शा० ॥ ३ ॥ दीवालीदिनमुक्ति  
 पधारया ॥ पाम्यापरमानंदवाला ॥ अजरअ  
 मरपदग्यांनविलासी ॥ अक्यसुखनोकंदवा  
 ला ॥ शा० ॥ ४ ॥ प्रनुकर्ताअकर्ताभो  
 क्ता ॥ निजगुंणविलसंतवाला ॥ दर्शनज्ञान  
 चरणेनवीरज ॥ अमटधासादिअनंतवाला

॥ शा० ॥ ५ ॥ ठेआकासअसंख्यप्रदेशी ॥  
 तेहनागुणठेअनंतवाला ॥ एतोएकप्रदेशोसा  
 हिव ॥ अनंतगुणेंनगवंतवाला ॥ शा० ॥ ६ ॥  
 एप्रभुध्येयनेसेवकध्याता ॥ एहमांथ्यानमिला  
 यवाला ॥ त्रिकरणजोगेंपूरणताप्रगटे ॥ सेव  
 कइमसमजायवाला ॥ शा० ॥ ७ ॥ गावोपां  
 चमुमोक्षवधावो ॥ ध्यावोवीरजिणंदवाला ॥  
 सुभलेस्यांजगगुरुध्यानें ॥ टालोनवननफं  
 दवाला ॥ शा० ॥ ८ ॥ इमप्रभुवीरतणाकल्या  
 णक ॥ पांचभवोदधिनाववाला ॥ श्रीविज  
 यलक्ष्मीसूरीसरराजे ॥ मंगादासुभनाववाला  
 ॥ शा० ॥ ९ ॥ श्रीजिनगणधरआणारंगी ॥  
 कपूरचंदबिसरांमवाला ॥ तसआपहृथीहरषि  
 तचित्तें ॥ खंजातनदरसुवांमवाल ॥ शा० ॥  
 ॥ १० ॥ पंमितश्रीगुरुअंमपसाएं ॥ गावोतीर

थराजवाला ॥ दीपविजयकहेमुजनेहोजो ॥  
 ॥ तीरथफलमाहाराजवाला ॥ शा० ॥ ११ ॥  
 इतिपांचवधावासंपूर्ण ॥

## ॥ अथगुंहलीलिख्यते॥

कुछरपागलेपगदशनेचमिआ ॥ ९देशी ॥  
 रुमीगुहलीरंगरसाली ॥ जिनसासनमांहेनित  
 रेदीवाली ॥ रुमीराजग्रहीअतिसोहे ॥ तेदेस्वी  
 श्रीभुवननामनमोहे ॥ १ ॥ तिहांतोवीरआव्या  
 रेचोमासुं ॥ राजाश्रेणिकवंदेउद्धासें ॥ तसअन  
 यकुछरप्रधान ॥ मंत्रीबहुबुद्धिनिधान ॥ २ ॥  
 राजाश्रेणिकनीधरनार ॥ सीरोमणीचेजणासा  
 र ॥ बारव्रतनीसामीजपेरी ॥ नववामनीगाढमी  
 उढी ॥ ३ ॥ पेस्याजिनगुणभुषणअंगे ॥ गुरुगु  
 णावेमनरंगें ॥ समकीतकचोलोरेनरियो ॥  
 अक्षामाहेंकुंकमघोळयो ॥ ४ ॥ पंचाचारतेपंचर



तन ॥ तवणीउपरेकरोरेजतन ॥ मननिरमल  
 मोतीवधावे ॥ तेतोशिवरमणीसुखपावे ॥ बुध  
 न्यायसागरनोसिन्ध्य ॥ जेनणसेजिनगुणजगी  
 स ॥ तसघरहोएकोनकडयाण ॥ वलीपामे  
 मोक्षसुजाण ॥ ६ ॥ इतिप्रथमगुहलीसंपूर्ण

### ॥ अथगुंहलीबीजी ॥

वालोआव्याश्रीगोकुलगामरे ॥ एदेशी ॥ चं  
 डवदनीमृगलोयणि ॥ एतोसजिसोलेसणगा  
 ररे ॥ एतोआवीजगगुरुवांदवा ॥ धरिहृश्मे  
 हरषअपाररे ॥ १ ॥ एतोमुक्ताफलमुविनरि ॥  
 रचेगुंहलिपरमवदाररे ॥ जिहांवाणीजोजन  
 गांमिनि ॥ घनवरसेअखंभितधाररे ॥ २ ॥  
 हारेजिहांरजतकनकरलनो ॥ सुररचितत्रण  
 प्रकाररे ॥ तसमध्यमणिसिंहासने ॥ सोनत  
 श्रीजगदाधाररे ॥ ३ ॥ जिहांनरपतिखगप

तिलसपति ॥ सुरपतियुतपरषदावाररे ॥ ल  
 डिधनिधानगुणआगरु ॥ जिहांगौतमादिगण  
 धाररे ॥ ४ ॥ जिहांजीवादिकनवतत्त्वना ॥  
 षट्जव्यनेदविस्ताररे ॥ एतोश्रवणसुंणिनिर्मल  
 करे ॥ निजबोधबीजसुखकाररे ॥ ५ ॥ जि  
 हांत्रणवत्रिभुवनउदित ॥ सुरढालतचामर  
 चाररे ॥ सखिचिदानंदकिवंदना ॥ तसहोजो  
 वारंवाररे ॥ ६ ॥ इतिसंपूर्ण ॥

॥ अथश्रीगुंहलीत्रीजीलिरख्यते ॥  
 धरेआवोजीआंबोमोरीउ ॥ ऐदेशी ॥ महावी  
 रजीआवीसमोसस्था ॥ राजगृहिनयरीउद्या  
 न ॥ समवरसणदेवैरव्युं ॥ तिहांबेठाश्रीवर्ध  
 मान ॥ महा० ॥ १ ॥ वनपालकेआवीवधा  
 मणी ॥ हरण्योश्रेणिकनूपाल ॥ गौतमआदी  
 गणधरु ॥ साधवीवत्रीसहजार ॥ महा० ॥

॥ २ ॥ राजागजसिंहागारधामलपता ॥ तू  
 र्यतणोनहिपार ॥ राजाबहुसामघीएसंचस्थो ॥  
 साथेमंत्रीअनलकुमार ॥ महा० ॥ ३ ॥ ठो  
 लददामागमगमे ॥ सरणाश्चतिहिरसाल ॥  
 गजथकीहेवाकतरथा ॥ वांदैप्रनुजीनापाय ॥  
 महा० ॥ ४ ॥ अणप्रदक्षिणादेईकरी ॥ राजा  
 बेवोसनामकार ॥ राणीचेलणालावेगुंहली ॥  
 साथेसखिनोपरिवार ॥ महा० ॥ ५ ॥ रा  
 णिएंवाटउदयोरेघुदातणो ॥ राणीचेलणानो  
 सिंहागार ॥ राणिएंकुंकुघोड्यारेकंकावटी ॥  
 राणिएंजीधोश्रीफलश्रीकार ॥ महा० ॥ ६ ॥  
 राणीचेलणापूरेगुंहली ॥ महावीरनेपावला  
 हेव ॥ राणीबहुपरिवारेंपरवरी ॥ राणीगावेगी  
 तरसाल ॥ महा० ॥ ७ ॥ राणीललीलली  
 लीहेरेलूंणा ॥ पूजेप्रनुजीनापाय ॥ देसना

सांजलीहर्षिद्यो ॥ समकितपाम्योनरराय ॥  
 महा० ॥ ८ ॥ प्रनुतुमसरीखामुऊनेमळ्या ॥  
 मारीडुर्गतिदूरपलाय ॥ प्रनुसेवकजाणीतार  
 जो ॥ मुनेमुक्तीतणासुखथाय ॥ महा० ॥  
 ॥ ९ ॥ इतिसंपूर्ण ॥

## ॥ गुंढलीचोथी ॥

सह्ययरसुणीएरेजीवाभिगमनीवाणी ॥ मीठीला  
 गेरेमुऊनेवीरनीवाणी ॥ एआंकणी ॥ सूत्रतणी  
 रचनागणधरनी ॥ अर्थतेवीरेभाष्या ॥ गौतम  
 पूढेबेकरजोमी ॥ आतमहितकरीदाख्या ॥ स०  
 मी० ॥ १ ॥ जीवअजीवतणिजेरचना ॥ पू  
 ढ्यागौतमस्वामी ॥ नरकनिगोदतणिजेवातो ॥  
 भाखेअंतरजामी ॥ स० ॥ मी० ॥ २ ॥ साते  
 नरकतणाडुखभाख्या ॥ आतमहितकरीसि  
 ख्या ॥ जेजेप्रश्नपूढेगोयम ॥ तेतेप्रनुजीएंभा

॥या ॥ स० ॥ मी० ॥ ३ ॥ पांच अनुत्तरतणी  
 जेरचना ॥ विविध प्रकारें नांखी ॥ भविकजी  
 वने सुणवा कारण ॥ श्रीजिन आगम सांखी ॥ स०  
 ॥ मी० ॥ ४ ॥ मीठी वाणी गुंहुली गावे ॥ वीरजि  
 णंदवधावे ॥ स्वस्तिक पूरे नावधरीने ॥ अक्षतें क  
 रीने वधावे ॥ स० मी० ॥ ५ ॥ नौतन पुरमंरंगे गा  
 ई ॥ गुंहुली चढते उमंगें ॥ कहे मुक्तिजिन राजनी  
 बाणी ॥ सुण जो अति उठरंगें ॥ स० मी० ॥ ६ ॥ इति

### ॥ गुंहुली पांचमी ॥

सहियर सुणि एरे भगवती सूत्रनी वांणी ॥ पातिक  
 हणी एरे आतमने हित आंणी ॥ एआंकणी ॥ सम  
 कितवंत तणि एकरणी ॥ भवसागर उधरणी ॥  
 नरकनिगोद तणी गति हरणी ॥ मोक्ष तणी निसर  
 णी ॥ स० ॥ १ ॥ पंचम अंग विवाह पनत्ती ॥  
 बीजो भगवती नाम ॥ शतक बेताजी सब हूउ देसैं

अन्ताअनंतगुणधाम ॥ स० ॥ २ ॥ वीरजगतगु  
 रुगौतमगणधर ॥ जोमीमोहनगारी ॥ प्रश्नब्रवी  
 सहजारप्रकास्या ॥ वाणीनीबलिहारी ॥ स० ॥  
 ॥ ३ ॥ गंगमुनिसिंहामुनिवरनां ॥ प्रश्नसरसठेजे  
 हमां ॥ नावनेदषट्पञ्चप्रकास्या ॥ अमृतरसठे  
 एहमां ॥ ४ ॥ संगरामसोनीप्रमुखजेआव्या ॥  
 समकितवंतप्रसिद्धो ॥ प्रश्नेकंचनमोरवनीने ॥  
 नरनवलाहोलीधो ॥ स० ॥ ५ ॥ स्वस्तिक  
 मुक्ताफलसुवध्रावो ॥ ज्ञानभक्तिगुरुसेवा ॥  
 ॥ भगवतीअंगसुणोबहुनावें ॥ चाखोअमृत  
 मेवा ॥ स० ॥ ६ ॥ वीरखेत्रनासकलसंघने ॥  
 विघ्नहरेवरदाई ॥ दीपविजयकहेभगवतीसुण  
 तां ॥ मंगलकोटवधाई ॥ स० ॥ ७ ॥ इति

॥ गुंहलीठरी ॥

चालोनेबाईचालोनेजुजसोहमगणधररचना

रे ॥ चालोनेबाईचालोने० ॥ ९आंकणी ॥  
 राजगृहीनगरीसोहामणी ॥ तसवनमांहेसोहं  
 मआव्यारे ॥ राजाकोणीकवंदनआवे ॥ ना  
 वधरीनेवधावेरे ॥ चा० ॥ १ ॥ चतुरंगणी  
 सेनालेईआवे ॥ आणंदमंगलपावेरे ॥ बहुयु  
 केंकरीसोहंमवांदे ॥ राजामनआणंदेरे ॥ चा०  
 ॥ २ ॥ केईमुनितपसीकेईव्रतधारी ॥ केईसं  
 जमनारसियारे ॥ केईमुनिजिनआणाधारे ॥  
 वारेविषयकषाटरे ॥ चा० ॥ ३ ॥ प्रत्येकें  
 सहुमुनिनेवांदे ॥ भवजलपारउतरवारे ॥ रज  
 वरकेबीहाथधरीने ॥ सोहमस्वामीवधावेरे ॥ ४ ॥  
 चिहुंगतिवारकसाथीउपूरे ॥ मोतीथालेंवधा  
 वेरे ॥ पद्मावतीरांणीमनरंगे ॥ सोलसज्यास  
 णगाररे ॥ चा० ॥ ५ ॥ बहुसखीपरिवारेंरां  
 णी ॥ मनमांउलटआंणीरे ॥ कोणिकराजादे

सनानिसुणें ॥ वांणीअमृतसरस्वीरे ॥ चा० ॥  
 ॥ ६ ॥ नावधरीनेराजारांणी ॥ अभिनव  
 निसुणीवांणीरे ॥ जलधरवांणीनिसुणीराजा ॥  
 वाज्यासुजसनावाजारे ॥ चा० ॥ ७ ॥ भुजपु  
 रमंनचिंताचुरण ॥ श्रीचिंतामणिस्वांमीरे ॥  
 चिहुंगतिचूरणगुंहलीगाई ॥ संधनेसदावधाई  
 रे ॥ चा० ॥ ८ ॥ जेगुंहलीगासेमनरंगें ॥ त  
 सधरनितउबरंगरे ॥ श्रीजिनआणापालेअह  
 रिस ॥ मुक्तिपदपामेविशेषरे ॥ चा० ॥ ९ ॥

### ॥ गुंहलीसातमी ॥

जात्रीणांजात्रानवाणुकरीळेंरे ॥ एदेशी ॥ स  
 स्वीसरस्वतीभगवतीमातारे ॥ कांइप्रणमीजेसु  
 खसातारे ॥ कांइवचनसुधारसदाता ॥ १ ॥ गुं  
 णवंतासांभलोवीरवांणीरे ॥ कांइमोक्तणीनि  
 नसाणी ॥ गुं० ॥ कांइचोवीसमांजिनराव्या



रे ॥ सार्थेचौदसहसमुनिरायारे ॥ जेहनासेवे  
 सुरनरपात्रा ॥ गुं० ॥ कां० ॥ १ ॥ सखीच  
 तुरंगफोजासाथरे ॥ सखीआव्याश्रेणिकनर  
 नाथरे ॥ प्रनुवंदीनेहुआसनाथ ॥ गुं० ॥ कां०  
 ॥ ३ ॥ बहुसखीसंयुक्तरांणीरे ॥ आवीचेल  
 णगुणखांणीरे ॥ एतोनामंमलमांउजांणी ॥  
 गुं० ॥ कां० ॥ ४ ॥ करेसांथीउमोहनवेल  
 रे ॥ कांईप्रनुनेवधावेरंगरेलरे ॥ कांईधोवा  
 कर्मनामेल ॥ गुं० ॥ कां० ॥ ५ ॥ बारेपरष  
 दानिसुणेंवांणीरे ॥ कांईअमृतरससमजांणीरे ॥  
 कांईवरवामुक्तिपटरांणी ॥ गुं० ॥ कां० ॥ ६ ॥ इति

### ॥ गुंहलीआठमी ॥

आजोरेबाईआजोरे ॥ सोनागीगुरुनापगला  
 रे ॥ पगलेपगलेरबजमावूं ॥ मगलेमगलेही  
 रारे ॥ एदेशी ॥ चालोरेबाईचालोरे ॥ जूउगौ

तमस्त्वांमीनीरचनारे ॥ लब्धिवंतगुणवंतनाद  
 रित्या ॥ करतासंजमजतनारे ॥ चा० ॥ १ ॥  
 ठठेवरसेंदीक्षालीधी ॥ तेपणमुनिबेसाथेंरे ॥ जि  
 नच्यांणाथीसंजमपाले ॥ करवासिववधुहाथेंरे ॥  
 चा० ॥ २ ॥ केईमुनिगणधरपदसेवेबे ॥ केई  
 मुनिध्यानधरेबेरे ॥ केईमुनिआगमदानदिणे ॥  
 केईमुनिविनयकरेबेरे ॥ चा० ॥ ३ ॥ केईमुनि  
 चौअनुजोगभणेबे ॥ केईमुनिजोगवहेबेरे ॥  
 केईमुनिपूर्वसूत्रभणेबे ॥ केईमुनिअर्थग्रहेबेरे ॥  
 चा० ॥ ४ ॥ केईमुनिमासखमणतपधारी ॥ के  
 ईमुनितपीढाकहायेरे ॥ केईमुनिविनयतणाक  
 रनारा ॥ केईमुनिआतमध्यायेरे ॥ चा० ॥ ५ ॥  
 केईआचारांगसुगमांगठाणांग ॥ केईसमवा  
 द्यांगगोखेरे ॥ भगवतिसूत्रप्रमुखबहुआगम ॥  
 भणीआत्मरसपोखेरे ॥ चा० ॥ ६ ॥ सहसही

अरगुणसीजावनमां ॥ आवीगणधरवांदेरे ॥  
 अमृतथीपणअधिकीवांणी ॥ निसुणीमनआ  
 णंदेरे ॥ चा० ॥ ७ ॥ पट्टोधरआगलगुंहलीपू  
 री ॥ मुक्ताफलसूवधायारे ॥ धनधनमातापू  
 थिवीजेणिं ॥ गौतमगणधरजात्यारे ॥ चा०  
 ॥ ८ ॥ प्रनुवांणीनिजचित्तसमरंती ॥ परषदनि  
 जधरआवेरे ॥ दीपविजयकहेगौतमनामें ॥ म  
 हामंगलपदपावेरे ॥ चा० ॥ ९ ॥ इति ॥

## ॥ गुंहलीनवमी ॥

जल्योतपरोहणीए ॥ एदेशी ॥ चंपानगरीउद्यान  
 मांए ॥ आव्यासोहमगणधार ॥ नमोगुरुभावसुं  
 ए ॥ हर्षपूरितनगरीजनाए ॥ वांदवाजात्यउज  
 माल ॥ नमो ॥ १ ॥ कोणिकरायतवपूठतोए ॥  
 आजकिस्योउठवथाय ॥ नमो ॥ इंडुउठव  
 केकोंमुदीए ॥ एवमालोककिहाजाय ॥ नमो ॥

॥ १ ॥ केकोइजैनमुनीआव्याए ॥ केतिहां  
 जायेसवीजिन ॥ न० ॥ तेहकहेप्रनुशांनलो  
 ए ॥ हरषेंकरीनेमन ॥ न० ॥ ३ ॥ तवको  
 णिकेंवातसांनलीए ॥ उल्लसीसातेधात ॥  
 न० ॥ गजरथपायकसज्जकस्याए ॥ करीवलिनि  
 र्मलगाव ॥ न० ॥ ४ ॥ मस्तकमुगटरत्नेजमया  
 ए ॥ हइहारसोहंत ॥ न० ॥ एकसूरजएकचं  
 द्रमाए ॥ एदोयकुंमलजलकंत ॥ न० ॥ ५ ॥  
 चतुरंगीसेनाएंपरवरयोए ॥ श्रेणिकरायनोपुत्र ॥  
 न० ॥ तसराणीपद्मावतीए ॥ नवसतअंगध  
 रयासणगार ॥ न० ॥ ६ ॥ स्वांमीसुधर्माजि  
 हांअबेए ॥ तिहांआव्याकोणिकराय ॥ न० ॥  
 पंचअभिगमसाचवीए ॥ नक्तिएंहर्षनराय ॥  
 न० ॥ ७ ॥ साथीउपूरेप्रेमसुंए ॥ चौगतिडु  
 खवारणहार ॥ न० ॥ पद्मावतीराणीवधावता

ए ॥ उगालेअकितसार ॥ न० ॥ ८ ॥ करे  
 परमगुरुवंदनाए ॥ नवजलतारणनाव ॥ न०  
 लहेमुक्तिपदसाखतोए ॥ जेवांदेगुरुभलेभाव ॥  
 न० ॥ ९ ॥ इतिसंपूर्ण ॥

## ॥ गुंहलीदसमी ॥

समुद्रविजयसुतचंदलो ॥ सामजियाजी ॥  
 एदेशी ॥ वनितानदरीनिर्मली ॥ जिनराया  
 जी ॥ जिहांसमोसरयाआदिनाथ ॥ सुरनमे  
 पायाजी ॥ समवसरणदेवैरच्युं ॥ जि० ॥ तिहांवे  
 ठात्रिजुवननाथ ॥ सु० ॥ १ ॥ कंचनकांतीतनुदी  
 पती ॥ जि० ॥ मजसरखीजसचाल ॥ सु० ॥ दीर्घ  
 भुजातनुदीपती ॥ जि० ॥ तसरुमानयणविशाल ॥  
 सु० ॥ २ ॥ नरनाअमरनाइंदला ॥ जि० ॥ ते  
 णेयुणिआचरणसरोज ॥ सु० ॥ मुखसोभाएं  
 लाजिउ ॥ जि० ॥ शशिगयणवसेहररोज ॥

सु० ॥ ३ ॥ तपतरवारेंवारिद्या ॥ जि० ॥ नावरिपू  
 जेआव ॥ सु० ॥ मुनिनेंशिवपदआपता ॥ जि०  
 जेणेंवारयोपरनोठाव ॥ सु० ॥ ४ ॥ क्कमासुरा  
 भगवंतजी ॥ जि० ॥ चोत्रीसअतीसयधार ॥  
 सु० ॥ पांत्रीसवाणीगुणेकरी ॥ जि० ॥ देसनादेज  
 लधार ॥ सु० ॥ ५ ॥ वनपालकनामुखथकी ॥  
 जि० ॥ तातजीआव्याउद्यान ॥ सु० ॥ सांभ  
 लीनरतनरेसरू ॥ जि० ॥ आपेबहुजादान ॥  
 सु० ॥ ६ ॥ चतुरंगीसेन्यालेइने ॥ जि० ॥ वां  
 याश्रीभगवांन ॥ सु० ॥ प्रभुजीनीवाणीसुणे ॥  
 जि० ॥ चक्रीनरतसुजांण ॥ सु० ॥ ७ ॥ वखा  
 णअवसरसाधिउ ॥ जि० ॥ लावेनरतनीनार ॥  
 सु० ॥ अक्षास्वस्तिकपुरिउ ॥ जि० ॥ गायेमौ  
 रीगीतउदार ॥ सु० ॥ ८ ॥ गीतारथगुरुआग  
 लें ॥ जि० ॥ जेकरेश्रुतबहुमान ॥ सु० ॥ दर्श

नसागरश्मकहे ॥ जि० ॥ तसथायेपरमकल्या  
ण ॥ सु० ॥ ए ॥ इतिसंपूर्ण ॥

## ॥ गुंहलीङ्ग्यारमी ॥

आजहजारीढोलोप्राहुंणो ॥ एदेशी ॥ रतनत्र  
यीआराधवा ॥ आणिअधिकउमेद ॥ सहिअ  
रमोरीहे ॥ आगमआगमधरसुणी ॥ गुणगुणी  
भावअभेद ॥ १ ॥ सहीयरमोरीहे ॥ गुंहलीक  
रोगुरुआगलें ॥ एटेक ॥ परपरीणामनेटाल  
वा ॥ लेवाशिवपुरसर्म ॥ स० ॥ गुं० ॥ २ ॥ अव्यं  
भावसंजोगथी ॥ जेरहेनित्यअलेप ॥ स० ॥  
स्यादवादनीदीयेदेशना ॥ जाणंगनटनीक्षेप ॥  
स० ॥ गुं० ॥ ३ ॥ आत्मभावस्वरूपना ॥ नास  
ननानुसमान ॥ स० ॥ स्वपरविवेचनश्रुतथ  
की ॥ तेणेंभक्तिबहुमान ॥ स० ॥ गुं० ॥ ४ ॥  
रुचिवंतासुआविका ॥ करवाश्रुतनीबहुभक्ति ॥

स० ॥ विनयवतीबहुमानथी ॥ फोरवतीआ  
त्मशक्ति ॥ स० ॥ गुं० ॥ ५ ॥ आत्मबाजोटउ  
परें ॥ समकितसाथीउपूर ॥ स० ॥ ललीलली  
करतीलुंगणा ॥ मिथ्यामतिकरीदूर ॥ स० ॥ गुं०  
॥ ६ ॥ जेसुणेआगमइणिविधें ॥ जन्मसफल  
होएतास ॥ स० ॥ माहरेभवोभवनित्यहोजो ॥  
ज्ञानमहोदयवास ॥ स० ॥ गुं० ॥ ७ ॥ इति ॥

## ॥ गुंढलीबारमी ॥

जीरेमारेदेसनाद्योगुरुराज ॥ उलटआंणिअ  
तिघणो ॥ जीरेजी ॥ जीरेआविउहर्षउल्लास ॥  
पूवदेईसंसारने ॥ जी० ॥ १ ॥ जीरेविलंब  
नकीजेंगुरुराज ॥ दासउपरदयाकरो ॥ जी०  
जीरेमहेरकरोमेहेरबांन ॥ अमृतवचनेंसीधि  
एं ॥ जी० ॥ २ ॥ जीरेसुणवासूत्रसिद्धां  
त ॥ हेजेहियडुंगहगहे ॥ जी० ॥ जीरेजिम



मोरामनमेह ॥ सीतानेमनेंरामजी ॥ जी० ॥  
 ॥ ३ ॥ जीरेकमलामनगोविंद ॥ पारवतीईश्व  
 रजपे ॥ जी० ॥ जीरेतिममुळरुदयमळार ॥  
 जिनवाणीरूचेघणी ॥ जी० ॥ ४ ॥ जीरेनय  
 गमभंगनिखेप ॥ सुणतासमकितसंपजे ॥ जी०  
 ॥ जीरेउतपादवयध्रुवरूप ॥ स्यादवादरचना  
 घणी ॥ जी० ॥ ५ ॥ जीरेनवतत्त्वनेषट्कव्य ॥ चा  
 रनिक्केपेसप्तनयेंकरी ॥ जी० ॥ जीरेनिश्चयने  
 व्यवहार ॥ इणिपरेमुळउलखाविणं ॥ जी० ॥ ६ ॥  
 जीरेकृपाकरोगुरुराज ॥ तेसुणवाइबाघणी ॥  
 जी० ॥ जीरेनिजपरसत्तारूप ॥ भासेतेंसुण  
 ताथका ॥ जी० ॥ ७ ॥ जीरेजिनउत्तममा  
 हाराज ॥ तसपदपद्मसेवेसदा ॥ जी० ॥ जीरे  
 प्रगटेअतमस्वरूप ॥ अमायकुंअरणीपरेंभ  
 णे ॥ जीरेजी ॥ ८ ॥ इति ॥

## ॥ गुंहुलीतेरमी ॥

आबेलालनीदेशी ॥ नयरीराजगृहीसार ॥ लो  
 कवसेरेअपार ॥ आबेलाल ॥ जंबुस्वांमीसमो  
 सस्थारे ॥ १ ॥ पंचसयापरिवार ॥ तारेनरने  
 नार ॥ आ० ॥ देशनापुष्करजलधरेंरे ॥ २ ॥  
 इंदियजीपेपंच ॥ वारेक्रोधनोसंच ॥ आ० ॥  
 गुरुमुखदेस्वीनदणठरेंरे ॥ ३ ॥ जिनमतकज  
 दिनकार ॥ सोहमस्वांमीपट्टधार ॥ आ० ॥  
 चरणकरणभंमारबेरे ॥ ४ ॥ सोनागीसिरदा  
 र ॥ सुविहितमुनिआधार ॥ आ० ॥ पृथ्वी  
 पीठेविचरंतारे ॥ ५ ॥ अप्रतिबंधविहार ॥ समर  
 सगुणसुखकार ॥ आ० ॥ वैरागेंजनतानेरीऊ  
 वेरे ॥ ६ ॥ विचरेदेसविदेस ॥ देबहुलाउप  
 देस ॥ आ० ॥ बूऊवेजांणअजांणनेरे ॥ ७ ॥  
 कोणिकनूपदरनार ॥ स्वस्तिकपूरेउदार ॥

आ० ॥ ज्ञाननीलकण्ठकरी ॥ ८ ॥ श्रुतन  
 क्तिकरेजेह ॥ सुखविलसेनरतेह ॥ आ० ॥ दर्श  
 नसागरश्मवदेरे ॥ ९ ॥ इति ॥

## ॥ गुंहलीचौदमी ॥

समुद्रविजयसुतचंदलोसामलियाजी ॥ एदे  
 शी ॥ राजगृहीनगरीसोहांमणीगुरुआवेढे ॥  
 श्रीसोहमगणधार ॥ सुगुरुवधावेढे ॥ पंचसया  
 मुनीसाथे ॥ सु० ॥ आतमसुखनाकरनार ॥  
 सु० ॥ १ ॥ गुणशीलनामेउद्यानमां ॥ गु० उत  
 रयाएवनमांय ॥ सु० ॥ वनपालकेंजईविनव्या ॥  
 गु० ॥ तेसांनलीकोणीकराय ॥ २ ॥ सु० ॥  
 चतुरंगीसेन्यासज्जकरी ॥ गु० ॥ गजरथपात्यक  
 नहीपार ॥ सु० ॥ छणेंआमंबरेंराजवी ॥ गु० ॥  
 वांदेथइजमाल ॥ सु० ॥ ३ ॥ संसारसमुंजनें  
 तारवा ॥ गु० ॥ वारवारनवजंजाल ॥ सु० ॥

सोलसणगारसजिकरि ॥ गु० ॥ वांदिपदमाव  
 तीनार ॥ सु० ॥ ४ ॥ गुंहलीकरेमनरंगसुं ॥ गु० ॥  
 अकतचुरेसार ॥ सु० ॥ ललीललीलेवेववा  
 रणा ॥ गु० ॥ प्रदक्षिणादेमनसार ॥ सु० ॥ ५ ॥  
 चिहुंगतिवारकसांथियो ॥ गु० ॥ करतामनने  
 कोम ॥ सु० ॥ कहेमुक्तिकरजोमिने ॥ गु० ॥  
 संघनामनपूरजोकोम ॥ सु० ॥ ६ ॥ इतिसंपूर्ण ॥

### ॥ गुंहलीपनरमी ॥

गरवनकीजोरेएसदगुरुसीस्वमली ॥ एवेशी ॥ स  
 रसतीचरणनमीकरीकेसूं ॥ गायेसुआगमवांणी ॥  
 अरथतेअरीहंतजीएंपकास्युं ॥ सूत्रतेगणधर  
 वांणी ॥ १ ॥ नवीतुंमेसुंएजोरेसोहमगणधरवांणी  
 ॥ मीठीलागेरेमुऊनेवीरनीवांणी ॥ एआंकणी  
 चतुराचालोगुरुनेपासें ॥ गुंहलीकरीएमनरंगें ॥  
 नवसतअंगधरीसणगार ॥ अनुगुंणगाठठमंगें ॥

॥ न० ॥ १ ॥ हाथेंरजतरकेबीधरीने ॥ मा  
 हेबीपनापुत्रनेलावो ॥ स्वस्तिकपूरोगुरुनेवधा  
 वो ॥ गुरुगुणमधुरागावो ॥ न० ॥ ३ ॥ रा  
 जग्रहीनयरेगुणसीलचैल्यें ॥ तिहांप्रभुवीरजी  
 आव्या ॥ नंनासारतेसांनलीहरण्यो ॥ च  
 तुरंगसेनथीआव्या ॥ न० ॥ ४ ॥ चौदहजार  
 मुनिराजसंधातें ॥ साध्वीसहस्रब्रवीस ॥ इं  
 द्रनूतिआदेंदेइनेगणधर ॥ प्रभुपरीवारजगीस ॥  
 न० ॥ ५ ॥ प्रभुआदेसरवेनेंवांढी ॥ मगधाधी  
 सन्नूपाल ॥ चेलणांरांणीकरेतेगुंहली ॥ प्रभु  
 सन्मुखततकाल ॥ न० ॥ ६ ॥ कुंकमघोली  
 सांथीउपूरे ॥ अष्टकर्मनेचूरे ॥ चीहुंगतिचू  
 रणडुखनिवारण ॥ मनवंगीतसविपूरे ॥ न०  
 ॥ ७ ॥ श्रीअंचलगठपतिपूज्यपट्टोदर ॥ श्रीपु  
 ण्यसागरसुरीराया ॥ सुरीब्रवीसगुणेंकरीसोहे ॥

નવિપ્રણમોતસપાયા ॥ ન૦ ॥ ૮ ॥ જશ્વૈવિંદરે  
 સુંદરશ્રાવક ॥ ગુરુગુણનાઢેરાગી ॥ શ્રીવીરપ્ર  
 નુનોપસાવ્યજીહીને ॥ ગાતાંસુખમતિજાગી ॥  
 ન૦ ॥ ૯ ॥ આષાઢવદ્યેકમનેંદીવસે ॥ ગુંહ  
 લીગાર્હિમનરંગે ॥ ચતુરામજિસુકંઠેંગાજો ॥  
 નાવધરીનમંગે ॥ ન૦ ॥ ૧૦ ॥ જેસોહાસણમ  
 લીગુંહલીગાસે ॥ એકહેકેવલનાણી ॥ સરવાર  
 થસિધતણાસુખવિલસે ॥ લેસેંમુક્તિપટ્ટરાંણી ॥  
 ન૦ ॥ ૧૧ ॥ ઇતિસંપૂર્ણ ॥

## ॥ ગુંહલીસોલમી ॥

જીરેજિનવરવચનસોહંકરું ॥ જીરેઅવિચલ  
 સાસનવીરરે ॥ ગુણવંતાગિરુઆવાંણીમીઠીરે  
 માહાવીરતણી ॥ જીરેપરસ્વદાબારમિલીતિહાં ॥  
 જીરેઅરથપ્રકાસ્યોગુણગંજીરરે ॥ ગુણવંતાગૌ  
 તમ ॥ પ્રભૂપૂઢેરેમાહાવીરઆગલે ॥ ૧ ॥ જીરે

मधुरधनिंजगगुरुकहे ॥ जीरेकरवानवीकउ  
 पगाररे ॥ गु० ॥ प्र० ॥ जीरेनिगोदस्वरूपमुज  
 नेकहो ॥ जीरेकिमएजीवविचाररे ॥ गु० प्र० ॥  
 ॥ २ ॥ जीरेराजचउदलोकजांणीं ॥ जीरेअसं  
 ख्याताजोजनकोमाकोमीरे ॥ गु० ॥ प्र० ॥  
 जीरेजोजनएकएमालीजीं ॥ जीरेंलीजींए  
 कएनुंअंसरे ॥ गु० ॥ वां० ॥ ३ ॥ जीरेएकनिगोदे  
 जीवअनंतरे ॥ जीरेपुजलपरमाणुआअनंतरे ॥  
 गु० ॥ वा० ॥ जीरेएकप्रदेशेजांणीं ॥ जीरेप्र  
 देशवरगणांअनंतरे ॥ गु० ॥ वां० ॥ ४ ॥ जीरेएक  
 असंखगोलासंखबे ॥ जीरेनिगोदअसंखगो  
 लासेसरे ॥ गु० ॥ वां० ॥ जीरेपरमाणुआप्रतें  
 गुणअनंतरे ॥ जीरेवरणगंधरसफरसरे ॥  
 गु० ॥ वां० ॥ ५ ॥ जीरेलोकसकलमयश्मन  
 रथो ॥ जीरेकहेगौतमधनतुंमग्यांनरे ॥ गु० ॥

वां० ॥ जीरेएवागुरुनेआगलगुंहली ॥ फत्ते  
 शिखरअमृतसिवनीश्रेणरे ॥ गु० ॥ वां० ॥  
 ॥ ६ ॥ इति ॥

## ॥ गुंहलीसतरमी ॥

बेनीसंचरतारेसंसारमारे ॥ बेनीसहगुरुधर्मसं  
 जोग ॥ वधावोगुंहलीरे ॥ बेनीसदहणांजिनसास  
 ननीरे ॥ बेनीपुरणपुण्यसंजोग ॥ व० ॥ १ ॥  
 बेनीसंमसंतोषसामीबनीरें ॥ बेनीनवब्रह्मनवरं  
 गघाट ॥ व० ॥ बेनीतपजपचोखाउजलारे ॥  
 बेनीआणीतिलकअभंग ॥ व० ॥ २ ॥ बेनी  
 समकितसोवनथालमारें ॥ बेनीकंककचो  
 लेचंग ॥ व० ॥ बेनीसंवरकंरोसुखसांथीउरे ॥  
 बेनीविवेकवधावोसाल ॥ व० ॥ ३ ॥ बेनी  
 सुमतिगुपतिश्रीफलधरोरे ॥ बेनीअनुभवकुं  
 कुंमघोल ॥ व० ॥ बेनीनवतत्वहृदयधरोरे ॥



बेनीसत्यव्रतविनयसुपाठ ॥ व० ॥ ४ ॥ बे  
नीजवजलजेहमांजेदीएरे ॥ बेनीपीजीएंचंदन  
घोल ॥ व० ॥ बेनीवीरसाधुकहेजिनसासन  
मारे ॥ बेनीरहतांमंगलमाल ॥ व० ॥ ५ ॥  
इतिसंपूर्ण ॥

## ॥ गुंढलीअठारमी ॥

वाहलोजीवाएबेवांसलीरे ॥ एदेशी ॥ सोहंम  
त्वांमीसंमोसरयारे ॥ राजग्रहीउद्यान ॥ बहुमुंनि  
परीकरसंजुतारे ॥ चउनांणीजगवांन ॥ सो०  
॥ १ ॥ गुरुमुखकमलविलोकवारे ॥ आवेशे  
णिकमाहाराय ॥ जावनकिकरीवांदिअरे ॥  
गणधरकेरापाय ॥ सो० ॥ २ ॥ श्रीगुरुजीदी  
एदेशनारे ॥ तेसांनलोश्रोतावृंद ॥ अमीअस  
मांणीवांणीसुंणीरे ॥ मनमांपांमेअनंद ॥ सो०  
॥ ३ ॥ वखाणअवसरजाणीनेरे ॥ ज्ञाननीज

क्तिनिमित्त ॥ सतीत्यसिरोमणीचेलणारे ॥ सा  
 थीउपूरेपवित्त ॥ सो० ॥ ४ ॥ ज्ञानपरमगुण  
 जीवनेरे ॥ जेतसभक्तिकरेत्य ॥ तेहनेज्ञाननी  
 संपदारे ॥ दर्शणएमकहेत्य ॥ सो० ॥ ५ ॥ इति

### ॥गुंहलीउगणीसमी॥

राजगृहीसमोसरथा ॥ गुरुराजरे ॥ सोहम  
 स्वांमीआज ॥ समारोकाजरे ॥ सहीत्यरमो  
 रीवांदवा ॥ गु० ॥ आवोलेईवरलाज ॥  
 स० ॥ १ ॥ गुरुआगलरचोगुंहली ॥ गु०  
 उविधभावबहुनावि ॥ स० ॥ अध्यातमवर  
 थालमां ॥ गु० ॥ गुरुगुणमोतीनावि ॥ स०  
 ॥ २ ॥ गुणमनसोवनफुलमां ॥ गु० ॥ सुभर  
 तिकुंकुमघोल ॥ स० ॥ श्रद्धारकेबीकरग्रही ॥  
 गु० ॥ दरसननूभिअमोल ॥ स० ॥ ३ ॥ अ  
 नुभवश्रीफलरूअमो ॥ गु० ॥ उत्तरगुणबहु

साल ॥ स० ॥ पंचाचारकरोलुंभणा ॥ गु० ॥  
 तिलकविवेकविसाल ॥ स० ॥ ४ ॥ इणपरेंद्रव्य  
 नैनावथी ॥ गु० ॥ मंगलआठकरात्त ॥ स० ॥  
 रांणीकोणीकरायनी ॥ गु० ॥ गुंहलीगुरुगुण  
 गात्त ॥ स० ॥ ५ ॥ कंचमकमलविराजता ॥  
 गु० ॥ दिव्यदेशनासार ॥ स० ॥ चरणकरण  
 रत्नऐंजरया ॥ गु० ॥ प्रभुपंचमगणधार ॥ स०  
 ॥ ६ ॥ पंचसुमतिसुमताथकां ॥ गु० ॥ नव  
 कल्पीकरयविहार ॥ स० ॥ चउविहसंधेंपर  
 वरया ॥ गु० ॥ जीत्याविषयविकार ॥ स०  
 ॥ ७ ॥ नावधरीनमुंतेहना ॥ गु० ॥ चरणयुग  
 लअरविंद ॥ स० ॥ वीरवांणीसंभलावता ॥ गु०  
 मलूकनावअमंद ॥ स० ॥ ८ ॥ इतिसंपूर्ण ॥

॥ गुंहलीवीसमी ॥

अनेहारेवालोजीवाएवेवांशलीरे ॥ एदेशी ॥

अनेहारेवीरजीदिउबेदेशनारे ॥ चालोचालो  
 सहीयरनोसाथ ॥ सुरवरकोमाकोमितिहांमि  
 ल्यारे ॥ प्रभुवरसेबेब्रिभुवननाथ ॥ वीर० ॥ १ ॥  
 अनेहारेसमोवसरणीसोभासीकहुरे ॥ जि  
 हांमुनिवरचौदहजार ॥ महासतीचंदनबाला  
 मावमीरे ॥ सहस्राधवीठत्रीशहजार ॥ वीर०  
 ॥ २ ॥ अनेहारेगणधरपूज्यइग्यारबेरे ॥ ते  
 हमांगौतमस्वामीवजीर ॥ त्रिणसैंचउदपूर्वीदी  
 पतारे ॥ श्रुतकेवलीजगवन्वीर ॥ वीर० ॥ ३ ॥  
 अनेहारेसातसेकेवलीजगतप्रभाकररे ॥ ते  
 तोपाम्याबेभवतीर ॥ पांचसैंविपुलमतिपरिवा  
 रबेरे ॥ सहपरिकरबेप्रभुवीर ॥ वीर० ॥ ४ ॥  
 अनेहारेआणंदश्रावकसमकितउच्चरेरे ॥ व  
 लीधादशव्रतजयकार ॥ एकलाखउगणसा  
 वहजारमारे ॥ मुख्यश्रावकददव्रतधार ॥ वीर०

॥ ५ ॥ अनेहारेसखीवयणेउजमालिबालि  
 कारे ॥ आवीवंदेप्रभुजीनापाय ॥ माहामं  
 गलप्रभुजीनेआगलेरे ॥ पूरेचउमंगलसुखदा  
 य ॥ वीर० ॥ ६ ॥ अनेहारेसातमुंअंगउपा  
 सकसूत्रमारे ॥ प्रभुदीपविजयकविराज ॥  
 आणंदसरिखादशश्रावककक्षारे ॥ जहेसें  
 कनवेशिवपुरराज ॥ वीर० ॥ ७ ॥ इति ॥

### ॥ गुंहलीएकवीसमी ॥

गामनगरपुरविचरंतागुरुआवेढे ॥ मुनिपंच  
 सदांपरीवारसाथेंलावेढे ॥ सहस्रअठारसिलां  
 गनाजेधोरीढे ॥ ब्रह्मचर्यभेदअठारआपवीचा  
 रीढे ॥ १ ॥ जीवभेदबत्रीसनीदद्याजांणीढे ॥  
 निरुपाधिकदेशनासारनाथवषांणीढे ॥ दीक्षा  
 दोषनीवारवानरतारेढे ॥ पापस्थाननादोषअ  
 ठारउरनिवारेढे ॥ २ ॥ रत्नत्रईआराधतांगुरु

राजेबे ॥ गुंणगुरुचैत्यउद्यानअधिकनिवा  
 जेबे ॥ कनककमलवीराजतागुरुगाजेबे ॥  
 प्रभुवारपट्टोधरधीरभाववनांजेबे ॥ ३ ॥  
 जंबुकुंमरयुक्तेंकरीगुरुनेट्याबे ॥ कहुंमाहारा  
 मनथीएमपातिकमेट्याबे ॥ समुद्रसिरीजंबुत  
 णीपटरांणीबे ॥ वलिबीजीसाथेंनारगुंणनी  
 खाणीबे ॥ ४ ॥ पेहरीकरुणाकाचलिब्रतमो  
 तीबे ॥ उढीसमकितसामीमांहेगुरुमुखजोतीबे ॥  
 धिरताभावनाथालमाब्रतमोतीबें ॥ नरीकुंक  
 मरागकचोलपुण्यपनोतीबे ॥ ५ ॥ श्रद्धाना  
 वमोसाथीउजेपुरेबे ॥ ठवीपंचचाररत्नचि  
 हुंगतीचुरेबे ॥ तेदेखीमोहरायनीमातफुरेबे ॥  
 तेलेसेसंजमनारचमतेनुरेबे ॥ ६ ॥ गुंहलीकरो  
 गुरुआगलेंमनमाचेबे ॥ कस्युंजंबुसोहमपास  
 संजमजाचेबे ॥ पांचसैंसत्तावीससंगेंब्रतलीधुंबे

कहेमोहनमाहाराजकारजसिधुंवे ॥ ७ ॥ इति

## गुंहलीबावीसमी

बेनीनरनवपुण्येपांमीरूअमारे ॥ सुचिरुचिक  
 रोसणगाररे ॥ वधावोगुरुनेमोतीएरे ॥ बेनीद  
 रसणकरोआदिदेवनुरे ॥ बेनीवलीवलीवांदो  
 रेअणगाररे ॥ व० ॥ १ ॥ बेनीमळंगलपरेमुनि  
 मालतारे ॥ बेनीमधुकरपरेंलीयेआहाररे ॥  
 व० ॥ बेनीआतमरांमरमेरंगसुरे ॥ बेनीसूत्र  
 अर्थरयणनंमाररे ॥ व० ॥ २ ॥ बेनीश्मसो  
 हासणपूरेसांथीउरे ॥ बेनीगाउमंगलगीतरे ॥  
 व० ॥ बेनीविधसुंवधावीकरोलूंबणारे ॥ बेनी  
 एजिनसासनरीतरे ॥ व० ॥ ३ ॥ बेनीपच्चखाण  
 करोपायपूजिनेरे ॥ बेनीवीरवांणीपीउरसालरे ॥  
 व० ॥ बेनीसुद्धोऽआतमाआपणारे ॥ बेनी  
 शिवसुखलहीएरसालरे ॥ व० ॥ ४ ॥ इतिसंपूर्ण ॥

## गुहलीत्रेवीसमी

विमल गिरीरंगरसेसेवो ॥ एदेशी ॥ मुनिवरमा  
 रगमांवसित्या ॥ वसितुनमारगथीखसित्या ॥  
 सिववहुखेलणकेरसिया ॥ मु० ॥ १ ॥ वीथुं  
 गुणठाणुंबाल ॥ भगवईअंगसुविशाल ॥ रहे  
 प्रमत्तेंघणोकाल ॥ मु० ॥ २ ॥ अंतरमुहुरत  
 थितीआवे ॥ निजामांगुणपलटावे ॥ पणअ  
 प्रमत्ततणेनावे ॥ मु० ॥ ३ ॥ अव्यभावसंज  
 मधरिया ॥ जंगमतीरथसंचरिया ॥ पाखरि  
 यासिंहकेसरिया ॥ मु० ॥ ४ ॥ डुविहासितसहेन  
 जहे ॥ उल्लपरिसहवीससहे ॥ मुनिवरआचा  
 रांगकहे ॥ मु० ॥ ५ ॥ चक्रवालदसविधपा  
 ले ॥ चरणकरणगुणअजुआले ॥ शून्यदहनअ  
 वधिटाले ॥ मु० ॥ ६ ॥ एहवामुनिवरनेंआ  
 गें ॥ चतुराअकृतफलमागे ॥ आविकामुनि



गुणरागे ॥ मु० ॥ ७ ॥ गुंहलीकरीनिजमल  
 धोती ॥ वधावतीऊलकेमोती ॥ ललीलली  
 गुरुसन्मुखजोती ॥ मु० ॥ ८ ॥ आगमरयण  
 गुणेरमती ॥ गुरुगुंणगातीमनगमती ॥ श्रीशुभ  
 वीरचरणनमती ॥ मु० ॥ ९ ॥ इतिसंपूर्ण ॥  
 ॥ पार्श्वनाथनोविवाहलो१४मो ॥  
 पासकुमरमहिमानिलो ॥ गुणमणीरयणभंभा  
 र ॥ अवसरविवाजिनतलो ॥ गायेसुंअती  
 सुखकार ॥ पा० ॥ १ ॥ सुभमंनपेंतोरण  
 सोहियेरे ॥ जोतासुरनरनामनमोहियेरे ॥ मा  
 हाजनमलीयेबेअतिमनोहार ॥ रायराणां  
 नोनहीपार ॥ पा० ॥ २ ॥ चंपकवरणीसुंदरी ॥  
 वलिनीलवरणसुखदाय ॥ दीसेबेअतिरेदद्या  
 मणी ॥ पासकुंमरसुखथाय ॥ पा० ॥ ३ ॥  
 पासकुमरचमयावरघोमेरे ॥ शिरखुपनरयाब

हुमोमेरें ॥ मानुरविससिआव्यादोमेरे ॥ काने  
 कुंमलमस्तकजोम ॥ पा० ॥ ४ ॥ सजनसंतो  
 प्याबहुपरे ॥ तिहांअश्वसेनमहाराय ॥ शुनसि  
 णगारसजिसुंदरी ॥ पासकुंमरसुखदाय ॥ पा०  
 ॥ ५ ॥ देवउतारेआरतीरे ॥ वलीनरनारीगुण  
 गाय ॥ सुवर्णमुकटेहीरासोहीयेरे ॥ तोरण  
 आव्याश्रीजिनराज ॥ पा० ॥ ६ ॥ जिन  
 मुखसोहीएतंबोजरे ॥ घणोदिशेबेजाकजमो  
 जेरे ॥ परएयापरएयाप्रभावतिरांणीरे ॥ रूपेंअ  
 पठरानेंइंझाणी ॥ पा० ॥ ७ ॥ जिनपरणिने  
 निजघरआवीत्यारे ॥ जाचिकनेदानसुंजावि  
 यारे ॥ गुणगावेबेगंधपरंगेरें ॥ देवउदयउल  
 टअंग ॥ पा० ॥ ८ ॥ इतिसंपूर्ण ॥

॥ महावीरस्वामीनामहिना ॥

पदमसरोवरहुंगईरे ॥ त्रिसलाराणीकरेरेकद्वो

ल ॥ आजनोंदिनरलीआमणारे ॥ पहेलेनें  
 मासेंअमीअपीउरे॥बीजेचंदनघोल ॥आ०  
 ॥ १ ॥ बीजेनेंमासेंकेशरकीउरे ॥ चोथेक  
 पूरनीरेष ॥आ०॥ पांचमेंइष्टपूजीजिमोरे ॥  
 बठेरझागरभावास ॥आ० ॥ २ ॥ सातमेंजाणुं  
 सिंहचमेरे ॥ आठमेंदीजेदान ॥ आ० ॥ न  
 वमेंमासेंअतनकरोरे॥सवानवेंपुत्ररतन॥आ०  
 ॥ ३ ॥ धरणीएंपगदेईजनमीआए ॥ जनम्याश्री  
 माहावीर॥आ०॥ सोनाबरीएंनामवधारीआरे॥  
 दाइनेकोटीसोनइयादी॥धमाहावीरकुंअरजन  
 म्यारे॥मा० ॥ ४ ॥ पुत्रजनमनिजसानलीरे ॥  
 राअसीधारथनेहरषनमाअ ॥ मा० ॥ वधामणी  
 आनेपंचांगपेरामणीरे ॥ वलीकीधीलाखपसा  
 य॥मा० ॥ ५ ॥ पाणीसाथेडुधमेनवरावीआरे॥  
 चोखासाथेमोतीदेवधाव॥मा०॥चीरफानीनेंबा

लोतिअरे ॥ पलंगपालखनींपोढाव ॥ मा०  
 ॥ ६ ॥ घरघरघुमीउउलेरे ॥ नीलातो  
 रणबांध्याढेबार ॥ मा० ॥ वज्जीनीफईजीतेमा  
 वीअरे ॥ नांमदीधोवईमान ॥ मा० ॥ ७ ॥  
 मेरुशेखरऊपरजाणकरोरे ॥ उप्पनकुमरीगावे  
 ठेगीत ॥ मा० ॥ नांमपढामणहाथीउरे ॥  
 दीधादीधारतनबेचार ॥ मा० ॥ ८ ॥ सोना  
 केरोजुमणोरे ॥ मांहेमोतीनाजुमकार ॥ मा०  
 त्रिशळाराणीपुत्रतुमारमोरे ॥ देवतणोसिल  
 दार ॥ मा० ॥ ९ ॥ कांठागउनीलापसीरे ॥  
 मांहेमालवीउगोल ॥ मा० ॥ जाजेघींलसल  
 सीलापसीरे ॥ गोत्रजआगलनैवेद्यकराय ॥  
 मा० ॥ १० ॥ कुअरनीमाताइमणोरे ॥ कुअरजी  
 अविचलराज ॥ मा० ॥ सोवनपालणींपो  
 ढामीआए ॥ नीलुमावसुउगाम ॥ मा० ॥  
 ॥ ११ ॥ इतिसंपूर्ण

## गुंहलीठवीसमी

सरसतिसामीनेदिलधरीरे ॥ वांडुगुरुनेउगाह ॥  
 कमलपोयणसमलोदणीरे ॥ कांमनिकंचन  
 वांन ॥ चमरढलावोजिणंदप्रनुवीरनेरे ॥ १ ॥  
 कंकणनेउरीखजकतीरे ॥ ललकतीकोकिल  
 वांन ॥ गजगतीचालेसुंचालतीरे ॥ मलप  
 तीसहितरसाथ ॥ चं० ॥ २ ॥ कनककचोला  
 कुंकमनरीरे ॥ थालमुक्ताफलसार ॥ चरमप्रनु  
 जीनेंवांदवारे ॥ सोलसजिसणगार ॥ चं० ॥  
 ॥ ३ ॥ प्रहउगमतानीगुंहलीरे ॥ वाजेवीणा  
 सार ॥ चेलणाकाढेवेगुंहलीरे ॥ श्रेणिकनी  
 घरनार ॥ चं० ॥ ४ ॥ मोतीनोपूरयोवेसाथि  
 उरे ॥ ठवीआपांचरतन ॥ चेलणावधावेवेमो  
 तिंरे ॥ देसनादीएनगवन्न ॥ चं० ॥ ५ ॥  
 पाटपीठप्रनुपाउलेरे ॥ गातीरंगरसाल ॥ सो

वनसूरजकगिउरे ॥ सुरतरुमोस्थोरेआज ॥  
 च० ॥ ६ ॥ पुरवजतुठापुण्यथीरे ॥ वांघा  
 वीरजिणंद ॥ सुणीदेसनाभगवंतनीरे ॥ हरण्यानर  
 नारीवृंद ॥ च० ॥ ७ ॥ चेजणांचतुराईचित्तभेरे ॥  
 संनारेदिवसनेरात्र ॥ त्रिसलानंदनदेखतारे ॥ पवि  
 त्रथयामोरागात्र ॥ च० ॥ ८ ॥ सेवकलखमीसू  
 रितणोरे ॥ प्रणमेनांणउदारा ॥ वीरप्रभुजीनेवांदता  
 रे ॥ सफलकीउ अवतार ॥ च० ॥ ९ ॥ इतिसंपूर्ण

## ॥ गुंहलीसतावीसमी ॥

अहोमुनीचारित्रमांरमतां ॥ श्रीजिनआणांसु  
 धिधरतां ॥ क्रियामारगअनुसरतां ॥ अहो० १ ॥  
 षष्ठावस्यकसूत्रतणीरचना ॥ तेसांभलोभवि  
 एकमना ॥ वांणीअमृतरसऊरना ॥ अहो०  
 ॥ २ ॥ प्रथमसामायकजेदारुयो ॥ बीजोचो  
 वीसंथोभारुयो ॥ तृतीयवांदणदिलरारुयो ॥

अहो ० ॥ ३ ॥ प्रतिक्रमणचोथेसुणतां ॥ काउ  
 सग्गपांचमेअनुसरतां ॥ बवेपच्चखांणकरतां ॥  
 अहो ० ॥ ४ ॥ षट्ठविधआवस्यकजेधारे ॥ शु  
 नपरिणामेंअवधारे ॥ श्रीजिनमारगअजुआ  
 ले ॥ अहो ० ॥ ५ ॥ थापनाझानतणीमां  
 मो ॥ ममतामाआदूरेवांमो ॥ तोसमतावृद्ध  
 होएजामो ॥ अहो ० ॥ ६ ॥ इणपरेंसोहम  
 नीवांणी ॥ गुंहलीकरेचेलणारांणी ॥ गुरुस  
 नमुखजोवेगुणखांणी ॥ अहो ० ॥ ७ ॥ सिहो  
 रनगरमेगुंहलीगाई ॥ कहेमुक्तिसुणोचितला  
 ई ॥ श्रीजिनआंणाधरोनाई ॥ अहो ० ॥ ८ ॥ इति

॥ गुंहलीअठावीसमी ॥

अरिहाआद्वारेचंपावनकेमैंदान ॥ सुरपति  
 गायारेशासनकेसुलतांन ॥ एआंकणी ॥ स  
 मवसरणसुरमलीविरचावे ॥ फूलसचितज

लथलनांलावे ॥ विकसितजांनुंसमवरसावे ॥  
 ऊपरवेसेरेमुनिमुखपरषदाबार ॥ प्रनुमहिमां  
 रेपीमानहुएलिगार ॥ तत्त्वावतारिरेप्रवचनसा  
 रउधार ॥ अ० ॥ १ ॥ पुरिशणगारीकोणि  
 करात्य ॥ जलढटकायाफूलविढाय ॥  
 सजीसांमईयुंवंदनआत्य ॥ उववाईसूत्रेरेदेश  
 नाअमृतधार ॥ गौतमपूढेरेअंबनोअधिका  
 र ॥ अदतनलेवेरेसातसयांपरिवार ॥ अ०  
 ॥ २ ॥ पांणीढतेतरस्यांव्रतपाली ॥ गंगारेवत  
 वचेसंधारी ॥ देवलोकेपंचमअवतारी ॥ अं  
 बननांमेरेतेसहुनोशिरदार ॥ अवधिझांनिरे  
 वैक्रियलब्धीउदार ॥ तापसवेसेरेपालेअणुंव्र  
 तबार ॥ अ० ॥ ३ ॥ तेगुणदरियाकौतुकन  
 रित्या ॥ कंपिलपुरमांहेंसंचरित्या ॥ नितनि  
 तसहुधरवसतीवरित्या ॥ सहुकोजांणेरेअम



घरउच्चवथाय ॥ घरघरहुंसैरेकौतकजोवा  
 तेजाय ॥ देवभवांतररेअंबममुक्तिवराय ॥  
 अ० ॥ ४ ॥ सांजलीहस्मेहरषनरांणी ॥ बहुत  
 साहेलीनीठकुरांणी ॥ नामेंसुनबाधारणीरांणी ॥  
 चीरपट्टोजीरेपेहरीनिकटतेजाय ॥ घुंघटखो  
 लीरेअंजलीशीसनमाय ॥ केशरघोजीरेसा  
 थिएमोतिपुराय ॥ अ० ॥ ५ ॥ चतुराचउमु  
 खचित्तमिलावे ॥ मुक्ताफलदोयहाथधरा  
 वे ॥ श्रीशुभवीरनाचरणवधावे ॥ मंगलग  
 वेरेरंजाअपठरनार ॥ जगतनोदीवोरेविश्वंन  
 रजयकार ॥ बहुचिरंजीवोरेत्रिशलामातम  
 ठहार ॥ अ० ॥ ६ ॥ इतिसंपूर्ण ॥

॥ गुंहलीउगणत्रीसमी ॥

अहोमुनिसंजममारमता ॥ वीरनीआंणांसिर  
 धरता ॥ पवत्यणमाहेंसुवीचरंता ॥ सोहमपाठ

दीपावंता ॥ अ० ॥ १ ॥ श्रीजिनआणामती  
 रागी ॥ अव्यभावपरीयहत्यागी ॥ सिवरमणी  
 सुंलवलागी ॥ अ० ॥ २ ॥ उत्रीसउत्रीसीयेंपू  
 रा ॥ रागादिकथीरहेडुरा ॥ सांतमुधामाहेंसस  
 नूरा ॥ अ० ॥ ३ ॥ वीरवांणीचितअनुंसरता ॥  
 कुंमतीतणामदगालंता ॥ आव्याराजयहीफर  
 ता ॥ अ० ॥ ४ ॥ कोणीकनूपतीनीरांणी ॥ नामंम  
 लमांउजांणी ॥ धवलमंगलकरेगुणखांणी ॥  
 अ० ॥ ५ ॥ अनुंभवज्ञानेचीतवरसें ॥ सद  
 गुरुअंगेंसदावरसें ॥ नवीजलधरचातुकवर  
 सें ॥ अ० ॥ ६ ॥ एणीपरेंजेगुरुगुणगावे ॥ संवरना  
 वेंचीतलावे ॥ महिंजसिंहसूरिसुखपावे ॥ अ०  
 ॥ ७ ॥ इतिसंपूर्ण ॥

॥ गुंहलीत्रीसमी ॥

सखीराजयहीउद्यांनमां ॥ उतरिआश्रीजिनरा

ज ॥ वारीजांकवीरनें ॥ सखीमननोतेसांसो  
उपसमें ॥ जांणींमलीयोबेसिवपुरीनोसाज ॥  
वा० ॥ १ ॥ सखीदेवढंदोतेदेवेंरच्यो ॥ तिहां  
बेगबेबिनुवनराज ॥ वा० ॥ सखीबारपरषदा  
तिहांमली ॥ जीरेसतिसुंणवानेंजाज ॥ वा०  
॥ २ ॥ राणीचेलणातेलावेगुंहली ॥ राजा  
श्रेणीकनीद्वरनार ॥ वा० ॥ जीरेमुक्ताते  
फलनोसांधियो ॥ जीरेउपरश्रीफलसार ॥  
वा० ॥ ३ ॥ सखीठवणीनेंआगजगुंहली ॥  
जीरेवीचवीचनागरबेल ॥ वा० ॥ जीरेदर  
नलूरेंदरिआतणुं ॥ जीरेजेमाबेजाजेरीरे  
ल ॥ वा० ॥ ४ ॥ जीरेवखाणनळोरेवीरजी  
तणो ॥ जीरेसांनळेगुणीजनलाख ॥ वा० ॥ जी  
रेनानीतेनानीतेनानमी ॥ जीरेनानीबेसाकरडा  
ख ॥ वा० ॥ ५ ॥ जीरेनानीतेप्रभुजीनीजीनमी ॥

जीरेबुजव्याजांणअजांण ॥ वा० ॥ जीरे  
 नाटनणेरेबीरुदावली॥जीरेसईत्तरगावेगान॥  
 वा० ॥ ६ ॥ जीरेआजुगमाजोताथका॥जी  
 रेकोईनकरेप्रनुजीसुंहोम ॥ वा० ॥ जीरेन  
 वनवएजिनजोमले ॥ वसंतसागरकहेकर  
 जोम ॥ वा० ॥ ७ ॥ इतिसंपूर्ण ॥

### ॥ वधावोएकत्रीसमो ॥

प्रथमरेवतगिरीपेचीउ ॥ जीहोउपनोअधिक  
 आणंद॥वधावोमारेआवीउ ॥बीजेनेमीशरब  
 हुगुणा॥जीहोदीटोदोलतनोदिणंद॥व०॥१॥  
 ॥एआंकणी ॥ बीजेवधावेप्रनुतुंस्तव्यो ॥जी  
 होअगरसुवासविहार ॥ व० ॥ केशरचंदन  
 कुसुमनी॥जीहोपुजासत्तरप्रकार॥व०॥२॥  
 चोथेवधावेप्रनुचरणनो ॥ जीहोधरीइंमनसु  
 नध्यान ॥ व०॥ चतुरदरिशाणचारित्रनो ॥

जीहोगुणगात्रंगुरुग्यान ॥ व० ॥ ३ ॥ आसन  
 युक्तिअनुसरी ॥ जीहोजादवगुणलदलीन ॥  
 व० ॥ नावुं प्रनुगुणनावना ॥ जीहोआतमशक्ति  
 नवीन ॥ व० ॥ ४ ॥ एमसघलोढयोअंतरो ॥  
 जीहोअमतुमअतिसयएक ॥ व० ॥ ध्यादक  
 नेंवलीध्येयनो ॥ जीहोअधिकविवेकअनेक  
 ॥ व० ॥ ५ ॥ नाग्यनलेमिलीनविजने ॥  
 जीहोजोयोश्रीजिनराज ॥ व० ॥ संघवीसहित  
 स्वरूपनो ॥ जीहोसफलथयोसहुकाज ॥ व०  
 ॥ ६ ॥ इतिश्रीगिरनारजीनोवधावोसंपूर्ण ॥

### ॥ गुंहलीवत्रीसमी ॥

जीरेमारेथूलनडगुरुराय ॥ सातमेंपाटेसोहा  
 मणाजीरेजी ॥ जीरेमारेनडबाहुमुणिंद ॥  
 संनूतिविजयसुरितणा ॥ जीरे० ॥ १ ॥ जीरेमा  
 रेपाटवैशेषसुजांण ॥ सियलगुंणेअलंकस्था ॥

जीरे० ॥ जीरेमारेकोश्यां बूजव्यातांम ॥ जै  
 नधर्मथीनवीपड्या ॥ जी० ॥ १ ॥ जीरेमारे  
 जगमांराख्योनांम ॥ चोराशीचोवीसीलगे ॥  
 जीरे० ॥ जीरेमारेसंगचतुर्विधजांण ॥ उठ  
 वकरेउलटअंगे ॥ जीरे० ॥ ३ ॥ जीरेमारेवा  
 जेढोलनिशांण ॥ सरणाईयुंमधुरेस्वरे ॥ जी० ॥  
 जीरेमारेगौरीगावेगीत ॥ सोहागणगुंहलीकरे ॥  
 जीरे० ॥ ४ ॥ जीरेमारेधनसकदालप्रधान ॥  
 धनलाबलदेमातने ॥ जीरे० ॥ जीरेमारेधनते  
 नागरनात ॥ धनतेसिरीत्यात्रातने ॥ जीरे० ॥  
 ॥ ५ ॥ जीरेमारेधनजक्काप्रमुख्य ॥ सातेबेनुं  
 सोहांमणी ॥ जीरे० ॥ जीरेमारेसूरीस्वरसिर  
 दार ॥ श्रीथूलनवसिरोमणी ॥ जीरे० ॥ ६ ॥  
 जीरेमारेध्यानधरोदिनरात ॥ एवामुनीनोस्वतं  
 सुं ॥ जीरे० ॥ जीरेमारेलेसेमंगलमाल ॥ जे

गावेनितनावसुं ॥ जीरे ० ॥ ७ ॥ इतिसंपूर्ण ॥

॥ गुंहलीतेंत्रीसमी ॥

माहरीसहीरेसमांणी ॥ एदेशी ॥ परवपंजुसण  
पुण्यनेद्योगें ॥ मिळित्यासहगुरुसंयोगेंरे ॥

मांरीसहीरेसमांणी ॥ सातपांचमिलीमिलीने  
टोली ॥ गुंहलीकरेंमनभोलीरे ॥ मा ० ॥

॥ १ ॥ घुंघटपटखोलीनेंगुरुमुखजोती ॥ तन  
मननामलधोतीरे ॥ मा ० ॥ समकितरागेंनेंध  
रमनीबुद्धि ॥ परिणतिनीवलीशुद्धीरे ॥ मा ० ॥ २ ॥

वांदीवधावीगुरुजीनीवाणी ॥ निसुणोभविजन  
प्रांणीरे ॥ मा ० ॥ उपशमनावोनेनिंदानिवारो ॥

जीवसहसुंहितधारोरे ॥ मा ० ॥ ३ ॥ गुरुपगमू  
लेंसंघसहखांमो ॥ कषाद्यतणामदनांमोरे ॥

मा ० ॥ इणदिनआवेव्रततपकीजे ॥ अधि  
कअधिकलाहोलीजेरे ॥ मा ० ॥ ४ ॥ पूजा

प्रभावनामहिमानेदेखी ॥ हरषेधरमनागवेषी  
 रे ॥ मा० ॥ चैत्यपरवामीजिनमुखजोवो ॥  
 नवनवनापापखोवोरे ॥ मा० ॥ ५ ॥ कल  
 पसुणीजेप्रभावनादीजे ॥ अठाईमहिमाइम  
 कीजेरे ॥ मा० ॥ गुंहलीगावोनेवीरजिनध्या  
 वो ॥ मल्लूकभावनाभावोरे ॥ मा० ॥ ६ ॥ इति ॥

### ॥ अथचुनमीचोत्रीसमी ॥

आबीसुरंगीचुनमीरे ॥ चुनमीरातीचोलरे ॥  
 रंगीली ॥ लालसुरंगीचुनमीरे ॥ १ ॥ बुरानपुरनी  
 बांधणीरे ॥ रंगाणीसुरंगावादरे ॥ रंगीली ॥  
 चोलमजीठनारंगथीरे ॥ कसुंबेलीधोहववा  
 दरे ॥ रंगीली ॥ आ० ॥ २ ॥ सूरतसेरमांसंच  
 रथारे ॥ जाताजिनवांणीनेमाटरे ॥ रंगीली ॥  
 चोरासीचोकनेचोवटेरे ॥ दीठोदासीमानोहा  
 टरे ॥ रंगीली ॥ आ० ॥ ३ ॥ नणदीवीराजीने



वीनवेरे ॥ एचुनमीनीहुंसरे ॥ रंगीली ॥ चुनमी  
 मांहाथीघोमलारे ॥ हंसपोपटनेंमोररे ॥ रंगीली ॥  
 आ० ॥ ४ ॥ समरथससरेमूलवीरे ॥ पासेपीठ  
 जीनेराखरे ॥ रंगीली ॥ समकितसासुंनाकेण  
 थीरे ॥ सोनइयादीधासवालाखरे ॥ रंगीली ॥  
 आ० ॥ ५ ॥ सासुजीनेसामीदोरे ॥ नांनी  
 निणदीनेंघाटरे ॥ रंगीली ॥ देरांणीजेवाणी  
 नांजोमलारे ॥ सोक्यनेलावोस्यामाटरे ॥ रं  
 गीली ॥ आ० ॥ ६ ॥ चुनमीउढिनेंसंचरया  
 रे ॥ जाताजिनदरवाररे ॥ रंगीली ॥ माण  
 कमुनीएंकोमथीरे ॥ गाईएचुनमीसाररे ॥ रं  
 गीली ॥ आ० ॥ ७ ॥ इतिसंपूर्ण ॥

॥ गुंहलीपांत्रीसमी ॥

आसणराजोगी ॥ एदेशी ॥ श्रीगुरुपदपंक  
 जनीसेवा ॥ लागीबेमुऊमनहेवारे ॥ गुरुज ॥

उपगारी ॥ ९ अंकणी ॥ गुरुगुणदरीयोसुपरेन  
 रियो ॥ मुळथीकिमजाएतरियोरे ॥ गु० ॥ १ ॥  
 पांचज्ञानमांहेउपगारी ॥ ९ श्रुतनीबलिहारीरे ॥  
 गु० ॥ असंख्यजीवनाभवसुविजासे ॥ संख्या  
 ताभवप्रकासेरे ॥ गु० ॥ २ ॥ लोकनाभाव  
 तेज्ञानथीकहीं ॥ सदगुरुमुखथीलहींरे ॥  
 गु० ॥ दरसनसहीतज्ञानतेनासे ॥ दरसनमो  
 हनीनासेरे ॥ गु० ॥ ३ ॥ वीघटेमिथ्यात्वआ  
 तमकेरो ॥ टालेतेभवनोफेरोरे ॥ गु० ॥ सम  
 कितवीणसंजमनहीरचना ॥ आगममाहेवे  
 वचनारे ॥ गु० ॥ ४ ॥ समकितसहीतक  
 रेजेकिरिया ॥ तेभवसमुझथीतरियारे ॥ गु० ॥  
 एहवीवांणीसोहमकेरी ॥ नासेकरमजोवेरीरे ॥  
 गु० ॥ ५ ॥ सोहमपाटपरंपरराजे ॥ विजयदेवेंड  
 सूरिगाजेरे ॥ गु० ॥ स्वस्तिकपुरेडुखनेचूरे ॥

वधावेचढतेनूरेरे ॥ गु० ॥ ६ ॥ सुरीगुणेव  
 त्रीससोहावे ॥ विजयाएं दपदपावेरे ॥ गु० ॥ प्रेम  
 थीनावेनवनिधपावे ॥ अमृतसिवसुखध्यावेरे ॥  
 गु० ॥ ७ ॥ इतिसंपूर्ण

## ॥ गुंहलीवत्रीसमी ॥

मोतीवालाभमरजी ॥ एदेशी ॥ चरणकरण  
 सुंसोनता ॥ व्रतधाररेसुगुरुजी ॥ नविजनमां  
 नसहंसरे ॥ जगतउपगारीरेसुगुरुजी ॥ जंग  
 मतीरथसाधुजी ॥ व्र० ॥ लोनतणोनहींअं  
 शरे ॥ ज० ॥ १ ॥ पद्मिरुवादिकगुणभरया ॥  
 व्र० ॥ षटकारणलिष्ट्याहाररे ॥ ज० ॥ स  
 मुदांणीगोचरी ॥ व्र० ॥ झांनरतनभंदाररे ॥  
 ज० ॥ २ ॥ गीतारथगुरुआगले ॥ व्र० ॥  
 वनिताधरित्यविवेकरे ॥ ज० ॥ सरस्वीसाहेलि  
 एंपरवरी ॥ व्र० ॥ समकितनीधणीटेकरे ॥

ज० ॥ ३ ॥ आस्तिकपीठनीउपरें ॥ ब्र० ॥  
 अनुभवमुगताश्वेतरे ॥ ज० ॥ चिहुंगतिचूर  
 एसाथीयो ॥ ब्र० ॥ वधावतीधरीहेतरे ॥ ज०  
 ॥ ४ ॥ गुंणवतीगावेगुंहली ॥ ब्र० ॥ मुनिगु  
 णमणीधरीहाथरे ॥ ज० ॥ श्रीशुभवीरनीदेश  
 ना ॥ ब्र० ॥ सुंणतांमिलेंशिवसाथरे ॥ ज० ॥ ५ ॥ इति

## ॥ गुंहलीसमन्त्रीसमी ॥

केसरित्वाचढोवरघोमे ॥ एदेशी ॥ राजग्रही  
 वनखंभविचाल ॥ आव्यावीरजिणंददयाल ॥  
 वंदेश्रेणिकनामे नूपालतो ॥ वीरजगतगुरुवंदना  
 करिणं ॥ वंदनाकरिणंनेभवजलतरिणंतो ॥ वी०  
 ॥ १ ॥ कुष्टिकुरूपएकदेवतेवार ॥ मरणजीवन  
 जणचारविचार ॥ श्रेणिकराजनेस्वेदअपार  
 तो ॥ वी० ॥ २ ॥ कोसंबीनगरीनोवासी ॥ सें  
 डूकब्राह्मणधननोआसी ॥ पुत्रकुटुंबनेरोगेंवा

सीतो ॥ वी० ॥ ३ ॥ आवेराजग्रहीडुवार ॥ म  
 रणलहीजलतरसअपार ॥ जलमांमेमकनो  
 अबतारतो ॥ वी० ॥ ४ ॥ वारीहारीतारीव  
 चनथी ॥ मुखनवलहीचाढ्योवनथी ॥ मुज  
 वदनहरख्योतनमनथीतो ॥ वी० ॥ ५ ॥ तु  
 ऊघोटकपदहणियोजाम ॥ लहीसुरनवअ  
 व्योएणेंठाम ॥ श्रेणिकदेखेतुजपरिणामतो ॥  
 वी० ॥ ६ ॥ मोक्षगमनकहोमुजनेसार ॥ दर्डुर  
 रंकतणोअधिकार ॥ उपदेशमालाग्रंथमोजार  
 तो ॥ वी० ॥ ७ ॥ राणीचेलणाहर्षनमावे ॥  
 मुक्ताफलसुंगुहलीबनावे ॥ श्रीशुभवीरजिणें  
 दवधावेतो ॥ वी० ॥ ८ ॥ इतिसंपूर्ण ॥

## ॥ गुंढलीअमत्रीसमी ॥

द्वारकानगरीदीपती ॥ जिनवंदीएं ॥ वसेजाद  
 वनुपरीवाररे ॥ जिनवदीएं ॥ जिनजीतेआवीस  
 मोसरया ॥ जि० ॥ साथेंगणधरवरोरेअठार ॥

रेजि० ॥ १ ॥ अढारसहेससाधुनला ॥ जि०  
 तेतोळब्धीतणारेभंमार ॥ रेजि० ॥ कृष्णजी  
 वांदवाच्याव्या ॥ जि० ॥ साथेअंतेउरनोपरीवा  
 र ॥ रेजि० ॥ २ ॥ गुंढलीतेकरेमनरंगसुं ॥  
 जि० ॥ सतभांमाजांबुवंतीनार ॥ रेजि० ॥  
 पेरीपटोरादाममी ॥ जि० ॥ पाटेंजांजरनुज  
 मकार ॥ रेजि० ॥ ३ ॥ मुक्ताफलनोसांथी  
 द्यो ॥ जि० ॥ पंचाचारतेपांचरतन ॥ रेजि०  
 कृष्णजीदेंप्रभुजीनेपुढियो ॥ जि० ॥ मुजश्र  
 मचमयोरेअपार ॥ रेजि० ॥ ४ ॥ प्रभुजीकहे  
 श्रमउतरयो ॥ जि० ॥ तमेकारजकरयोमनु  
 हार ॥ रेजि० ॥ सातमीनीत्रीजीकरी ॥ जि० ॥ तमे  
 समकेतनमोनिर्धार ॥ रेजि० ॥ ५ ॥ रोम  
 रोमहर्षितहुआ ॥ जि० ॥ प्रभुतारतारमुजता  
 र ॥ रेजि० ॥ न्यायसागरप्रभुनिरखतां ॥ जि०  
 तमेजयजयभणोनरनार ॥ रेजि० ॥ ६ ॥ इति ॥

## ॥ गुंढलीनुंगणचालीसमी ॥

आर्यदेशनरनवलक्षोरे ॥ श्रावककुलमनो  
 हाररे ॥ जिननीवाणीनितसुणेरे ॥ धनतेहनो  
 अवतार ॥ गुरुनेबोलमीट्यें ॥ मोक्षामोक्षारेवि  
 नुवनलोक ॥ गुरुनेबोलमीट्यें ॥ १ ॥ उठी  
 सवारेप्रनुनमेरे ॥ करेनवकारसीसाररे ॥ सो  
 लसणगारसजीकरीने ॥ आवेगुरुदरवार ॥  
 गु० ॥ २ ॥ ऋणप्रदक्षिणादर्शकरीने ॥ वांदा  
 बेगीठायरे ॥ आयुधहाथउरेकरीने ॥ गुंढली  
 पुरवाजाळ ॥ गु० ॥ ३ ॥ वधावेगुरुरात्यने  
 रे ॥ पढेकरेपच्चखाणरे ॥ लुंगणीयाळटकेक  
 रेने ॥ नावचलोमनआण ॥ गु० ॥ ४ ॥ चि  
 हुंगतीडुखनिवारवारे ॥ माहामंगलउच्चाररे ॥  
 आवमंगलमाहेंवमोने ॥ साथीओकरेउदार ॥  
 गु० ॥ ५ ॥ आगमअर्थनेधारतीरे ॥ करती

विनयविशेषरे ॥ एमआतमनेतारतीरे ॥ सौ  
भाग्यलक्ष्मीसुविशेष ॥ गु० ॥ ६ ॥ इति ॥

## ॥ गुंहलीचालीसमी ॥

रुमीरेराजघहीउद्याने॥पंचसयांमुनीमानहो ॥  
स्वाम ॥ आवेआगुरुगोयमस्वामी ॥ वनपा  
लेंजईरायेंवधाव्या॥हरषवधामणीलायाहो॥  
स्वा० ॥ १ ॥ आव्यावीरतणाआदेशी ॥ क  
इंकेवाकेशीहो ॥ स्वा० ॥ श्रेणीकअंतेउरस  
हुतेमी ॥ जीतनगारागेमीहो ॥ स्वा० ॥ २ ॥  
चेलारायतणीतसबेटी ॥ चेजणागुणमणिपेटी  
हो ॥ स्वा० ॥ श्रेणीकरायतणीपटराणी ॥ वी  
रेआपवखाणीहो ॥ स्वा० ॥ ३ ॥ सांथीयमो  
कीधोलटकालो ॥ मंगलरंगरसालहो ॥ स्वा०  
जमीजमीगुरुजीनेलुंढणाकरती ॥ कीरतीना  
दानजदेतीहो ॥ स्वा० ॥ ४ ॥ देशनासांनलीआ



नंदपामी॥धर्मअथोचीतराख्योहो॥स्वा० ॥ ३  
 पगारीगुरुनागुणगाती॥समकितरतननेलान्यो  
 हो॥ स्वा० ॥ ५॥श्रीश्रीपालतणीपरेंतरसे॥शीव  
 रमणीसुखवरसेहो॥स्वा० ॥जेकोईगुंहलीएणी  
 परेंकरसे॥मुक्तीतणासुखवरसेहो॥स्वा० ॥ ६॥

## ॥ गुंहलीएकतालीसमी ॥

सोहमस्वामीपरंपरा॥ सुखकारिरेसाहेबजी॥मु  
 नीगुणरत्नभंडाररे ॥वालोमारोएहिरेसाहेबजी  
 सुरिबत्रिसगुणेसोभता ॥ सु० ॥ धरतामाहा  
 व्रतसाररे ॥ वालो० ॥ १ ॥ पंचेंद्रिसंवरपणे  
 सु० ॥ नवविधब्रह्मचर्यधाररे ॥ वा० ॥ पं  
 चाचारजपालता ॥ सु० ॥ टालेक्रोधादिक  
 चाररे ॥ वा० ॥ २ ॥ सुमतीगुपतिनीजसुध  
 ता ॥ सु० ॥ षटकाद्यकप्रतीपालरे ॥ वा०  
 एहवागुरुपदसेवीं ॥ सु० ॥ पांमीएंमंगलमा

लरे ॥ वा० ॥ ३ ॥ वीहारकरंताआवीद्या ॥  
 सु० ॥ मुंबईबिंदरमुळाररे ॥ वा० ॥ संघसक  
 लअतिभावसुं ॥ सु० ॥ सेवाकरेनरनाररे ॥  
 वा० ॥ ४ ॥ अंचलगवपतीदीपता ॥ सु० ॥ रत्न  
 सागरसुरिरायरे ॥ वा० ॥ प्रेमचंदकहेप्रणमता ॥  
 स० ॥ संघनेकंढ्याणथायरे ॥ वा० ॥ ५ ॥ इति ॥

## ॥ गुंढलीबेतालीसमी ॥

चालोसखीवंदननेजईं ॥ वंदीनेपावनथईं ॥  
 चा० ॥ मातात्रिसलानाजाया ॥ धर्मधुरंधर  
 कहेवाया ॥ गुणशैल्यचैत्यवनमाआया ॥  
 चा० ॥ १ ॥ शोनासीवरणवुंतेहनी ॥ त्रीनु  
 वनमाकीर्तीजेहनी ॥ बलिहारीजाउंएहनी ॥  
 चा० ॥ २ ॥ ठाजेकेवलठकुराई ॥ सादीअ  
 नंतगुणेंपाई ॥ गणधरेआगममांगाई ॥ चा०  
 ॥ ३ ॥ सुरकोमीसेवाकरतां ॥ उगणीसअति

शयअनुसरतां ॥ नावेभवसागरतरतां ॥ चा०  
 ॥ ४ ॥ चउदहजारमुनीसंगें ॥ धारकचरण  
 करणरंगे ॥ सीजसनाहधरथाअंगे ॥ चा० ॥ ५ ॥  
 श्रेणीकचेलणासहुआवे ॥ मुक्ताफलभरीला  
 वे ॥ मंगलआवकरीगावे ॥ चा० ॥ ६ ॥ गातां  
 दुखदोहगभाजें ॥ मंगलमाहामंगलकाजें ॥  
 कसोदीपवीजयश्मकवीराजे ॥ चा० ॥ ७ ॥ इति

## ॥ गुंहुलीत्रितालीसमी ॥

जीरेकामनीकहेसुणोकंतजी ॥ जीरेफलिआम  
 नोरथआजरे ॥ नणदीनावीरागणधरआव्यावे  
 चालोवांदवा ॥ १ ॥ जीरेभवोदधीपारउतारवा  
 जीरेतारणतरणजिहाजरे ॥ न० ॥ जीरेगुणशै  
 ल्यचैत्यसमोसरया ॥ जीरेवीरतणाबेपटोधाररे  
 ॥ न० ॥ २ ॥ जीरेकंचनकामनीपरिहस्या ॥ जी  
 रेप्रगट्यावेगुणवंतरागरे ॥ न० ॥ जीरेपरीसहनी

फोजनेजीतवा ॥ जीरेकरधरीउपसमखङ्गरे ॥  
 न० ॥ ३ ॥ जीरेप्रवचनमातनेपालता ॥ जीरे  
 सुमतीगुपतीधरनाररे ॥ न० ॥ जीरेमेरुगि  
 रिसममोटका ॥ जीरेपंचमाहाव्रतनाररे ॥ न०  
 ॥ ४ ॥ जीरेसुमतीगुपतीजेहने ॥ जीरेदोयकर  
 जोम्नीहजूररे ॥ न० ॥ जीरेअमृतसमीगुरुनीदेश  
 ना ॥ जीरेपापपमलहोयेडुररे ॥ न० ॥ ५ ॥ जी  
 रेकामनीवदणमीठमा ॥ जीरेवांधाबेगुरुगण  
 धाररे ॥ न० ॥ जीरेगुरुमुखथीसुणीदेशना ॥ जी  
 रेआणंदअंगअपाररे ॥ न० ॥ ६ ॥ जीरेमु  
 क्तानेरदणेंवधावती ॥ जीरेगुंहलीचीत्तरसाळ  
 रे ॥ न० ॥ जीरेनिजभवसुकृतसंभारती ॥  
 जीरेजेहनाबेभावविशालरे ॥ न० ॥ ७ ॥ जीरे  
 दीपविजयकवीराजजी ॥ जीरेपृथ्वीनंदनब  
 लिहाररे ॥ न० ॥ जीरेगौतमगणधरपूजजी ॥  
 जीरेवीरसासनसणगाररे ॥ न० ॥ ८ ॥ इति ॥

